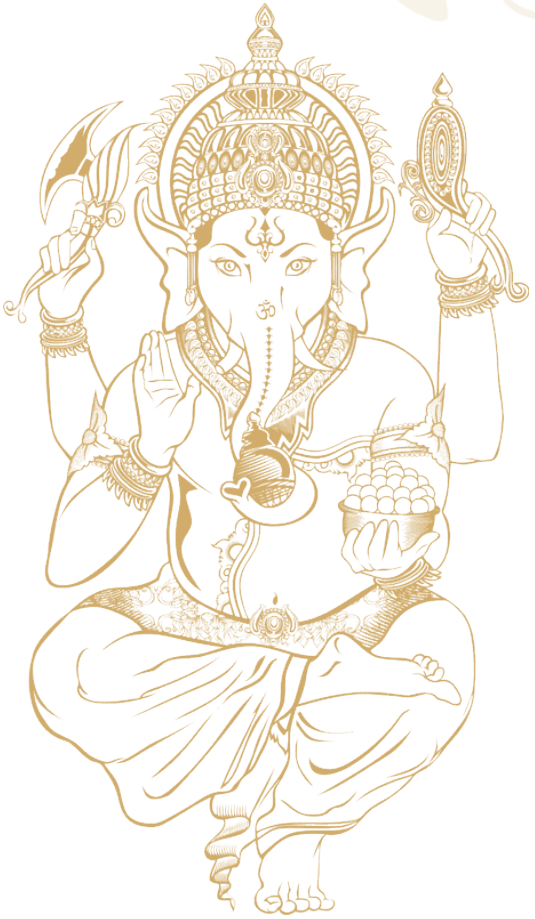

Mr. Pratiksha

08 Jun 2000

10:03 AM

Sidhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121442002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/06/2000**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:03:00 घंटे**
इष्ट	12:03:46 घटी
स्थान	**Sidhi**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:24:00 उत्तर
रेखांश	81:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:00:36 घंटे
वेलान्तर	00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल	03:08:05 घंटे
सूर्योदय	05:13:29 घंटे
सूर्यास्त	18:49:35 घंटे
दिनमान	13:36:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:50:09 वृष
लग्न के अंश	27:27:47 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:27:47	318:23:49	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			वृष	23:50:09	00:57:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	11:42:00	13:49:35	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	मिथु	00:31:35	00:40:36	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मिथु	17:47:06	01:02:42	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	स्वराशि
गुरु			वृष	01:17:27	00:13:40	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	वृष	22:57:03	01:13:43	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
शनि			वृष	00:10:06	00:07:18	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			कर्क	01:21:57	00:01:04	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु			मक	01:21:57	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:53:18	00:00:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:28:09	00:00:56	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:30:28	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मेष	25:36:39	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:31

लग्न-चलित

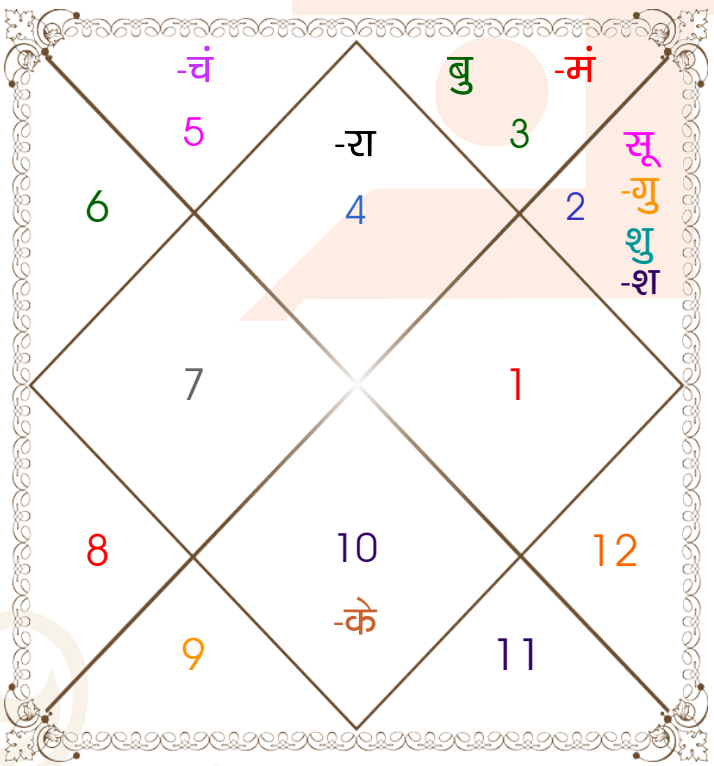

चन्द्र कुंडली

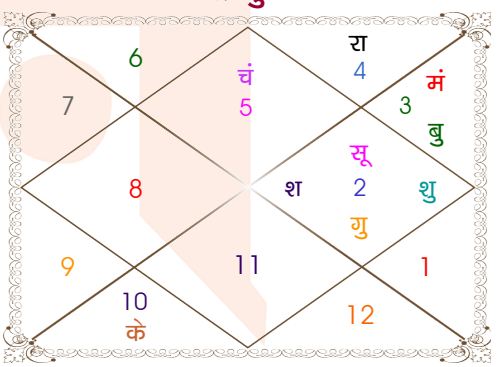

नवमांश कुंडली

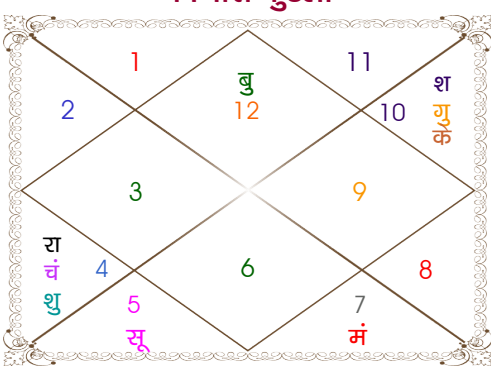

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 10 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/06/2000		17/04/2001		17/04/2021		18/04/2027		17/04/2037	
17/04/2001		17/04/2021		18/04/2027		17/04/2037		17/04/2044	
	00/00/0000	शुक्र	17/08/2004	सूर्य	05/08/2021	चंद्र	16/02/2028	मंगल	13/09/2037
	00/00/0000	सूर्य	17/08/2005	चंद्र	03/02/2022	मंगल	16/09/2028	राहु	02/10/2038
	00/00/0000	चंद्र	18/04/2007	मंगल	11/06/2022	राहु	18/03/2030	गुरु	08/09/2039
	00/00/0000	मंगल	17/06/2008	राहु	06/05/2023	गुरु	18/07/2031	शनि	16/10/2040
	00/00/0000	राहु	17/06/2011	गुरु	22/02/2024	शनि	15/02/2033	बुध	14/10/2041
	00/00/0000	गुरु	15/02/2014	शनि	03/02/2025	बुध	18/07/2034	केतु	12/03/2042
	00/00/0000	शनि	17/04/2017	बुध	11/12/2025	केतु	16/02/2035	शुक्र	12/05/2043
	08/06/2000	बुध	16/02/2020	केतु	17/04/2026	शुक्र	16/10/2036	सूर्य	17/09/2043
बुध	17/04/2001	केतु	17/04/2021	शुक्र	18/04/2027	सूर्य	17/04/2037	चंद्र	17/04/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/04/2044		17/04/2062		17/04/2078		17/04/2097		18/04/2114	
17/04/2062		17/04/2078		17/04/2097		18/04/2114		09/06/2120	
राहु	29/12/2046	गुरु	05/06/2064	शनि	20/04/2081	बुध	14/09/2099	केतु	14/09/2114
गुरु	24/05/2049	शनि	17/12/2066	बुध	29/12/2083	केतु	11/09/2100	शुक्र	15/11/2115
शनि	30/03/2052	बुध	24/03/2069	केतु	06/02/2085	शुक्र	13/07/2103	सूर्य	21/03/2116
बुध	17/10/2054	केतु	28/02/2070	शुक्र	08/04/2088	सूर्य	18/05/2104	चंद्र	21/10/2116
केतु	04/11/2055	शुक्र	29/10/2072	सूर्य	21/03/2089	चंद्र	18/10/2105	मंगल	19/03/2117
शुक्र	04/11/2058	सूर्य	17/08/2073	चंद्र	20/10/2090	मंगल	15/10/2106	राहु	06/04/2118
सूर्य	29/09/2059	चंद्र	17/12/2074	मंगल	29/11/2091	राहु	03/05/2109	गुरु	13/03/2119
चंद्र	30/03/2061	मंगल	23/11/2075	राहु	05/10/2094	गुरु	09/08/2111	शनि	21/04/2120
मंगल	17/04/2062	राहु	17/04/2078	गुरु	17/04/2097	शनि	18/04/2114	बुध	09/06/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।